सत्य का असर समाचार पत्र

1 मार्च 2025 बृहस्पतिवार jksingh hardoi gmail com मोबाइल नंबर 9956834016

पत्रकार जितेंद्र सिंह पटेल

.बीज उत्पादन एवं बीज दिवस का हुआ विराट कार्यक्रम का आयोजन

पत्रकार जितेंद्र सिंह पटेल सत्य का असर समाचार पत्र कानपुर चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के बीज विज्ञान विभाग द्वारा थरियांव स्थित कृषि विज्ञान केंद्र पर बीज उत्पादन एवं बीज दिवस का कार्यक्रम आयोजित किया गया । बीज विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डा० सी एल मौर्य ने 40 कृषि छात्रों के साथ आकर माडल गांव मुसईपुर में कृषकों के साथ बीज जागरूकता रैली निकाली। इसके उपरांत कृषि विज्ञान केन्द्र के प्रांगण में बीज उत्पादन प्रशिक्षण संगोष्ठी हुई । गोष्ठी के मुख्य अतिथि उपकृषि निदेशक श्री राम मिलन सिंह परिहार रहे। अध्यक्षता श्री बजरंग सिंह ने की कार्यक्रम के आरंभ में दीप प्रज्वलन किया गया डा० साधना बैश प्रभारी अधिकारी ने अतिथियों एवं कृषकों स्वागत किया गया साथ ही सीड हब की उपयोगिता पर जानकारी दी और बीज के भंडारण एवं बुआई हेतु बीज की तैयारी में महिलाओं के योगदान पर जानकारी दी । डा० सी एल मौर्य अधिष्ठाता, कृषि कार्यक्रम आयोजक ने प्रशिक्षण के उद्देश्य पर जानकारी देते हुए गुणवत्तापूर्ण बीज उत्पादन पर जानकारी दी। तथा बीज की महत्ता पर विस्तृत जानकारी दी। डा० महक सिंह ने तिलहन बीज उतपादन पर जानकारी दी । डा० विजय यादव निदेशक बीज एवं प्रक्षेत्र ने दलहन, खाद्यान्न बीज उत्पादन पर फसलवार जानकारी दी। डा० जितेन्द्र सिंह ने कहा कि आज सबसे बड़ी चुनौती भूमि का खराब स्वास्थ्य है सर्व प्रथम भूमि के स्वास्थ्य पर कार्य करने की आवश्यकता है। जिसके लिए ढेचा की हरी खाद की पलटाई कर बीज उत्पादन करे तब गुणवत्ता पूर्ण बीज उत्पादन होगा । डा० संजय कुमार वैज्ञानिक उद्यान ने सब्जी बीज उत्पादन पर जानकारी दी। तकनीकी सत्र के उपरांत अधिष्ठाता कृषि संकाय डा० सी एल मौर्य , के वी के वैज्ञानिक एवं कृषि छात्र केंद्र पर लगे क्रॉप कैफेटेरिया बीज उत्पादन प्रक्षेत्र पर भ्रमण किया। उन्होंने प्रक्षेत्र के प्रयासों एवं स्थापित यूनिट की प्रशंसा किया कहा कि डा० साधना बैश जी के कार्यकाल में केंद्र में बहुत ही प्रभावी कार्य हुए है। बहुत परिवर्तन हुए है । कृषकों ने कहा बहुत उपयोगी जानकारी मिली कार्यक्रम का संचालन डा० जितेंद्र सिंह ने किया । प्रगतिशील कृषक श्री बजरंग सिंह , श्रीमती रनों देवी को सम्मानित किया गया। कृषि छात्रों को किसान मेला एवं संगोष्ठी में विशेष योगदान हेतु सम्मानित किया गया ।

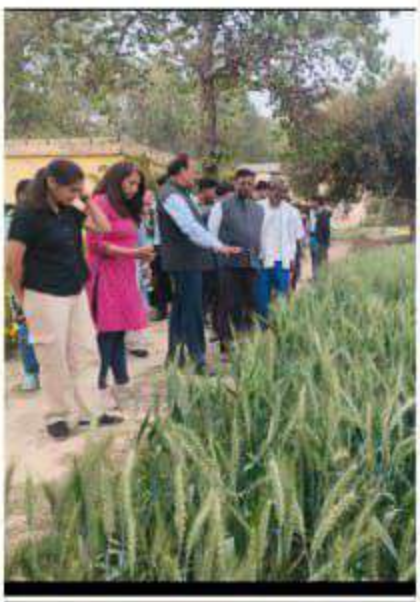

Your Advertisement

HERE

520 x 260

उत्तर-प्रदेश

www.thegramtodaynews.com

अपना शहर

बीज उत्पादन एवं बीज दिवस का हुआ विराट कार्यक्रम का आयोजन

दि शाम टुडे , कानपुर चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के बीज विज्ञान विभाग द्वारा थरियांव स्थित कृषि विज्ञान केंद्र पर बीज उत्पादन एवं बीज दिवस का कार्यक्रम आयोजित किया गया । बीज विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डाङ्ग सी एल मौर्य ने 40 कृषि छात्रों के साथ आकर माडल गांव मुसईपुर में कृषकों के साथ "बीज जागरूकता रैली निकाली। इसके उपरांत कृषि विज्ञान केन्द्र के प्रांगण में बीज उत्पादन प्रशिक्षण संगोष्ठी हुई । गोष्ठी के मुख्य अतिथि उपकृषि निदेशक श्री राम मिलन सिंह परिहार रहे। अध्यक्षता श्री बजरंग सिंह ने की कार्यक्रम के आरंभ में दीप प्रज्वलन किया गया डाङ्ग साधना बैश प्रभारी अधिकारी ने अतिथियों एवं कृषकों स्वागत किया गया साथ ही सीड हब की उपयोगिता पर जानकारी दी और बीज के भंडारण एवं बुआई हेतु बीज की तैयारी में महिलाओं के योगदान पर जानकारी दी । डाङ्ग सी एल मौर्य अधिष्ठाता, कृषि कार्यक्रम आयोजक ने प्रशिक्षण के उद्देश्य पर जानकारी देते हुए गुणवत्तापूर्ण बीज उत्पादन पर जानकारी दी। तथा बीज की महत्ता पर विस्तृत जानकारी दी।

डाङ्ग महक सिंह ने तिलहन बीज उत्पादन पर जानकारी दी । डाङ्ग विजय यादव निदेशक बीज एवं प्रक्षेत्र ने दलहन, खाद्यान्न बीज उत्पादन पर फसलवार जानकारी दी। डाङ्ग जितेन्द्र सिंह ने कहा कि आज सबसे बड़ी चुनौती भूमि का खराब स्वास्थ्य है सर्व प्रथम भूमि के स्वास्थ्य पर कार्य करने की आवश्यकता है। जिसके लिए हेचा की हरी खाद की पलटाई कर बीज उत्पादन करे तब गुणवत्ता पूर्ण बीज उत्पादन होगा । डाङ्ग संजय कुमार वैज्ञानिक उद्यान ने सब्जी बीज उत्पादन पर जानकारी दी ।

तकनीकी सत्र के उपरांत अधिष्ठाता कृषि संकाय डाङ्ग सी एल मौर्य , के वी के वैज्ञानिक एवं कृषि छात्र केंद्र पर लगे क्रॉप कैफेटेरिया बीज उत्पादन प्रक्षेत्र पर भ्रमण किया। उन्होंने प्रक्षेत्र के प्रयासों एवं स्थापित यूनिट की प्रशंसा किया कहा कि डाङ्ग साधना बैश जी के कार्यकाल में केंद्र में बहुत ही प्रभावी कार्य हुए है। बहुत परिवर्तन हुए है । कृषकों ने कहा बहुत उपयोगी जानकारी मिली ।

कार्यक्रम का संचालन डाङ्ग जितेंद्र सिंह ने किया प्रगतिशील कृषक श्री बजरंग सिंह , श्रीमती रनों देवी को सम्मानित किया गया। कृषि छात्रों को किसान मेला एवं संगोष्ठी में विशेष योगदान हेतु सम्मानित किया गया ।

हिंदी दैनिक

रहस्य संदेश

60 शनिवार, 01 मार्च 2025 लखनऊ व एटा से प्रकशित R.N.I. No.: UPHIN/2007/20715 पृष्ठ- 4

बीज उत्पादन एवं बीज दिवस का हुआ विराट कार्यक्रम का आयोजन

अनवर अशरफ

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के बीज विज्ञान विभाग द्वारा थरियांव स्थित कृषि विज्ञान केंद्र पर बीज उत्पादन एवं बीज दिवस का कार्यक्रम आयोजित किया गया । बीज विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डाश सी एल मौर्य ने 40 कृषि छात्रों के साथ आकर माडल गांव मुसईपुर में कृषकों के साथ *बीज जागरूकता रैली निकाली। इसके उपरांत कृषि विज्ञान केन्द्र के प्रांगण में बीज उत्पादन प्रशिक्षण संगोष्ठी हुई । गोष्ठी के मुख्य अतिथि उपकृषि निदेशक श्री राम मिलन सिंह परिहार रहे। अध्यक्षता श्री बजरंग सिंह ने की कार्यक्रम के आरंभ में दीप प्रज्वलन किया गया डाश साधना बैश प्रभारी अधिकारी ने अतिथियों एवं कृषकों स्वागत किया गया साथ ही सीड हब की उपयोगिता पर जानकारी दी और बीज के भंडारण एवं बुआई हेतु बीज की तैयारी में महिलाओं के योगदान पर जानकारी दी । डाश सी एल मौर्य अधिष्ठाता, कृषि कार्यक्रम आयोजक ने प्रशिक्षण के उद्देश्य पर जानकारी देते हुए गुणवत्तापूर्ण बीज उत्पादन पर जानकारी दी। तथा बीज की महत्ता पर विस्तृत जानकारी दी। डाश महक सिंह ने तिलहन बीज उतपादन पर जानकारी दी । डाश विजय यादव निदेशक बीज एवं प्रक्षेत्र ने दलहन, खाद्यान्न बीज उत्पादन पर फसलवार जानकारी दी। डाश जितेन्द्र सिंह ने कहा कि आज सबसे बड़ी चुनौती भूमि का खराब स्वास्थ्य है सर्व प्रथम भूमि के स्वास्थ्य पर कार्य करने की आवश्यकता है। जिसके लिए ढेचा की हरी खाद की पलटाई कर बीज उत्पादन करे तब गुणवत्ता पूर्ण बीज उत्पादन होगा । डाश संजय कुमार वैज्ञानिक उद्यान ने सब्जी बीज उत्पादन पर जानकारी दी । तकनीकी सत्र के उपरांत अधिष्ठाता कृषि संकाय डाश सी एल मौर्य , के वी के वैज्ञानिक एवं कृषि छात्र केंद्र पर लगे क्रॉप कैफेटेरिया बीज उत्पादन प्रक्षेत्र पर भ्रमण किया। उन्होंने प्रक्षेत्र के प्रयासों एवं स्थापित यूनिट की प्रशंसा किया कहा कि डाश साधना बैश जी के कार्यकाल में केंद्र में बहुत ही प्रभावी कार्य हुए है। बहुत परिवर्तन हुए है । कृषकों ने कहा बहुत उपयोगी जानकारी मिली । कार्यक्रम का संचालन डाश जितेंद्र सिंह ने किया प्रगतिशील कृषक श्री बजरंग सिंह , श्रीमती रनों देवी को सम्मानित किया गया। कृषि छात्रों को किसान मेला एवं संगोष्ठी में विशेष योगदान हेतु सम्मानित किया गया ।

कानपुर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित वर्ष : 16 अंक : 248 कानपुर, शनिवार 01 मार्च 2025 नगर संस्करण पृष्ठ 12 मूल्य : 2.00 रुपए

राष्ट्रीय स्वरूप

सीड हब की उपयोगिता पर दी विस्तृत जानकारी

कानपुर । सीएसए के बीज विज्ञान विभाग द्वारा थरियांव स्थित कृषि विज्ञान केंद्र पर बीज उत्पादन एवं बीज दिवस का कार्यक्रम आयोजित किया गया । बीज विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डाव सी एल मौर्य ने 40 कृषि छात्रों के साथ आकर माडल गांव मुसईपुर में कृषकों के साथ 'बीज जागरूकता रैली निकाली। इसके उपरांत कृषि विज्ञान केन्द्र के प्रांगण में बीज उत्पादन प्रशिक्षण संगोष्ठी हुई । गोष्ठी के मुख्य अतिथि उपकृषि निदेशक राम मिलन सिंह परिहार रहे। अध्यक्षता बजरंग सिंह ने की कार्यक्रम के आरंभ में दीप प्रज्वलन किया गया डाव साधना बैश प्रभारी अधिकारी ने अतिथियों एवं कृषकों स्वागत किया गया साथ ही सीड हब की उपयोगिता पर जानकारी दी और बीज के भंडारण एवं बुआई हेतु बीज की तैयारी में महिलाओं के योगदान पर जानकारी दी । डाव सी एल मौर्य अधिष्ठाताए कृषि कार्यक्रम आयोजक ने प्रशिक्षण के उद्देश्य पर जानकारी देते हुए गुणवत्तापूर्ण बीज उत्पादन पर जानकारी दी। तथा बीज की महत्ता पर विस्तृत जानकारी दी। डाव महक सिंह ने तिलहन बीज उतपादन पर जानकारी दी । डाव विजय यादव निदेशक बीज एवं प्रक्षेत्र ने दलहनए खाद्यान्न बीज उत्पादन पर फसलवार जानकारी दी।

कानपुर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित वर्ष: 16 अंक : 248 कानपुर, शनिवार 01 मार्च 2025 नगर संस्करण पृष्ठ 12 मूल्य: 2.00 रुपए

राष्ट्रीय स्वरूप

कबार पथा लागा का कबार पथा मादर ब्राह्मणाकिरणे करे सीर केबीर पेथा मादरा

दो दिवसीय वैज्ञानिक कार्य क्षमता विकास प्रशिक्षण का समापन

कानपुर । सीएसए के प्रसार निदेशालय में कृषि और पशु विज्ञान में नवाचार विषय पर दो दिवसीय वैज्ञानिक कार्यक्षमता विकास प्रशिक्षण का समापन हो गया। प्रशिक्षण के दूसरे दिन वैज्ञानिक डॉ संजीव कुमार सिंह ने सब्जियों एवं मसालों की नवीन प्रजातियों के बारे में विभिन्न कृषि विज्ञान केंद्रों से आए वैज्ञानिकों को विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि मनुष्य केवल अनाज वाली फसलों पर ही आधारित नहीं रह सकता है। उसे भोजन के साथ.साथ मसाले एवं सब्जियों की आवश्यकता होती है मसाले एवं सब्जियां मनुष्य के शरीर की रक्षा बहुत सी बीमारियों से करते हैं। साथ ही शुद्ध लाभ प्रति का क्षेत्रफल अधिक होता है और रोजगार सृजन में मदद मिलती है। डॉ राजीव ने संरक्षित खेती के विषय में जानकारी दी उन्होंने बताया कि संरक्षित खेती नए युग की ऐसी नवीनतम कृषि प्रणाली है जिसके माध्यम से किसान बाजार की मांग के अनुसार वातावरण को नियंत्रित करते हुए मंहगी फसलें तैयार कर लेता है। अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉक्टर धर्मराज सिंह ने उद्यानिकी फसलों में लगने वाले कीट एवं रोगों के बारे में जानकारी दी। जबकि पूर्व प्रोफेसर डॉ कृपाशंकर ने निमेटोड प्रबंधन विषय में बताया ।कानपुर मंडल के उप निदेशक उद्यान ने किसानों हेतु सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न लाभकारी योजनाओं के बारे में जानकारी दी। समापन अवसर पर मुख्य अतिथि समन्वयक डॉ आर के यादव ने सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए। अतिथियों को धन्यवाद डॉ वी के कनौजिया ने दिया। इस अवसर पर डॉक्टर पीके राठीएडॉ अनिल सिंह एवं डॉक्टर सोहनलाल वर्मा सहित अन्य वैज्ञानिक उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय
सहारा
कानपुर • शनिवार • 1 मार्च • 2025

सालें व सब्जियां कई बीमारियों से मनुष्य की करती हैं रक्षा'

त करते डॉ. संजीव कुमार सिंह। फोटो : एसएनबी

ुर (एसएनबी)। चंद्रशेखर आजाद वं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के प्रसार लय में कृषि और पशु विज्ञान में नवाचार पर दो दिवसीय वैज्ञानिक कार्यक्षमता प्रशिक्षण का समापन हो गया। ग के दूसरे दिन वैज्ञानिक डॉ. संजीव सिंह ने सब्जियों एवं मसालों की नवीन यों के वारे में विभिन्न कृषि विज्ञान केंद्रों वैज्ञानिकों को जानकारी दी।

उन्होंने कहा कि मनुष्य केवल अनाज फसलों पर ही आधारित नहीं रह सकता से भोजन के साथ-साथ मसाले एवं यों की आवश्यकता होती है। मसाले ब्जियां मनुष्य के शरीर की रक्षा वहुत सी यों से करती हैं। डॉ. संजीव ने संरक्षित क विषय में जानकारी दी। उन्होंने वताया क्षित खेती नए युग की ऐसी नवीनतम कृषि प्रणाली है, जिसके माध्यम से किसान वाजार की मांग के अनुसार वातावरण को नियंत्रित करते हुए महंगी फसलें तैयार कर लेता है। अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉ. धर्मराज सिंह ने उद्यानिकी फसलों में लगने वाले कीट एवं रोगों के वारे में जानकारी दी। जवकि पूर्व प्रो. डॉ. कृपाशंकर ने निमेटोड प्रवंधन विषय में वताया। कानपुर मंडल के उप निदेशक उद्यान ने किसानों के लिये सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न लाभकारी योजनाओं के वारे में जानकारी दी। समापन अवसर पर मुख्य अतिथि समन्वयक डॉ. आरके यादव ने सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए। अतिथियों को धन्यवाद डॉ. वीके कनौजिया ने दिया। इस अवसर पर डॉ. पीके राठी, डॉ. अनिल सिंह एवं डॉ. सोहनलाल वर्मा सहित अन्य वैज्ञानिक उपस्थित रहे।

दैनिक
उद्योग नगरी टाइम्स
E-mail : dainikudyognagritimes@gmail.com
सत्य ही कर्तव्य

वर्षः 15 | अंक :40 | कानपुर, शनिवार 1 मार्च 2025 | RNI UPHIN/2010/47220 | पृष्ठ : 4

दो दिवसीय वैज्ञानिक कार्य क्षमता विकास प्रशिक्षण का हुआ समापन, प्रतिभागियों को दिए गए प्रमाण पत्र

अनवर अशरफ

कानपुर यू एन टी । चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के प्रसार निदेशालय में कृषि और पशु विज्ञान में नवाचार विषय पर दो दिवसीय वैज्ञानिक कार्यक्षमता विकास प्रशिक्षण का समापन हो गया। प्रशिक्षण के दूसरे दिन वैज्ञानिक डॉ संजीव कुमार सिंह ने सब्जियों एवं मसालों की नवीन प्रजातियों के बारे में विभिन्न कृषि विज्ञान केंद्रों से आए वैज्ञानिकों को विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि मनुष्य केवल अनाज वाली फसलों पर ही आधारित नहीं रह सकता है। उसे भोजन के साथ-साथ मसाले एवं सब्जियों की आवश्यकता होती है मसाले एवं सब्जियां मनुष्य के शरीर की रक्षा बहुत सी बीमारियों से करते हैं। साथ ही शुद्ध लाभ प्रति का क्षेत्रफल अधिक होता है और रोजगार सृजन में मदद मिलती है। डॉ राजीव ने संरक्षित खेती के विषय में जानकारी दी उन्होंने बताया कि संरक्षित खेती नए युग की ऐसी नवीनतम कृषि प्रणाली है जिसके माध्यम से किसान बाजार की मांग के अनुसार वातावरण को नियंत्रित करते हुए मंहगी फसलें तैयार कर लेता है। अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉक्टर धर्मराज सिंह ने उद्यानिकी फसलों में लगने वाले कीट एवं रोगों के बारे में जानकारी दी। जबकि पूर्व प्रोफेसर डॉ कृपाशंकर ने निमेटोड प्रबंधन विषय में बताया ।कानपुर मंडल के उप निदेशक उद्यान ने किसानों हेतु सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न लाभकारी योजनाओं के बारे में जानकारी दी। समापन अवसर पर मुख्य अतिथि समन्वयक डॉ आर के यादव ने सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए। अतिथियों को धन्यवाद डॉ वी के कनौजिया ने दिया। इस अवसर पर डॉक्टर पीके राठी, डॉ अनिल सिंह एवं डॉक्टर सोहनलाल वर्मा सहित अन्य वैज्ञानिक उपस्थित रहे।